



प्रश्न :

1. चित्र में क्या दिखायी दे रहा है?
2. तुम इस फूल को क्या नाम देना चाहोगे?
3. अगर यह फूल बोलने लगा तो तुम उससे क्या बातें करना चाहोगे?

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ पढ़ो। कठिन शब्द और वाक्य रेखांकित करो।
2. कठिन शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा करो।
3. कठिन शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढो।

नाम है उसका कक्कू।
कक्कू माने कोयल होता
लेकिन यह तो दिनभर रोता
इसीलिए हम इसे चिढ़ाते
कहते इसको सक्कू
नाम है उसका कक्कू।



कोयल, माने मिसरी जैसी
मीठी जिसकी बोली
यह तो जाता भड़क, करो जब
इससे तनिक ठिठोली
इसीलिए तो कभी-कभी हम
कहते इसको भक्कू
नाम है उसका कक्कू।



कक्कू वह जो गाना गाए
बात-बात में जो चिढ़ जाए
रहता मुँह जो सदा फुलाए
गाना जिसको ज़रा न आए
ऐसे झगड़ालू को अब से
क्यों न कहें हम झक्कू
नाम है उसका कक्कू।

रमेशचंद्र शाह





सुनिए-बोलिए

1. लोग आपको किन-किन नामों से बुलाते हैं? आपको उनमें से कौनसा नाम पसंद है, क्यों?
2. तुम्हें किसी नाम से कोई चिढ़ाता है तो कैसा लगता है? बताओ।



पढ़िए

1. कविता पढ़कर बताइए कि कक्कू के क्या-क्या नाम हैं?
2. कक्कू दिन भर क्या-क्या करता है?



लिखिए

1. कविता के आधार पर लिखिए कि कक्कू के नाम-झकू, भकू और सकू क्यों हैं?
2. कोयल की आवाज़ कैसी होती है?
3. अपना नाम लिखो और बताओ कि तुम्हारे नाम का क्या मतलब है?



शब्द भंडार

निम्न के अर्थ लिखिए।

1. मुँह फुलाना -
2. ठिठोली करना -
3. भड़क जाना -



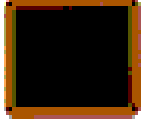
सृजनात्मक अभिव्यक्ति

- अभी तक आपने कक्कू के बारे में पढ़ा। अब आप कक्कू के बारे में लिखिए।



प्रशंसा

- हमें किसी को चिढ़ाना नहीं चाहिए। इस आधार पर कक्कू के बारे में दस वाक्य लिखो।



भाषा की बात

- इस कविता में प्रयुक्त द्वित्वाक्षरों की सूची बनाओ। जैसे : कक्कू
- पाँच-पाँच बच्चों की टोली बना लो। अब अपनी-अपनी टोलियों के बच्चों के नाम रेल के डिब्बों में लिखो।



वर्णमाला याद है न? चलो, अब इन नामों को वर्णमाला के हिसाब से क्रम में लगाते हैं।

.....



क्या मैं ये कर सकता हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. कविता लय के साथ सुना सकता हूँ। भाव बता सकता हूँ।		
2. इस स्तर की कविताओं का भाव पढ़कर समझ सकता हूँ।		
3. इस स्तर की कविताओं की भाव सहित व्याख्या कर सकता हूँ।		
4. कविता के शब्दों से वाक्य बना सकता हूँ।		
5. कविता के शब्दों से तुकबंद वाक्य लिख सकता हूँ।		



गेंद का मन



राजेन्द्र धोड़पकर